Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 10 May 2024

Dainik Jagran Page - 02

गोवि में पीएचडी प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन शुरू

आनलाइन आवेदन की 22 मई निर्धारित है अंतिम तिथि

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में सत्र 2023-24 की शोध पाठ्यक्रम परीक्षा के लिए आनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुक्रवार से शुरू हो गई। वर्ष 2023 तक पंजीकृत पूरा करने वाले विद्यार्थी ही इस प्रवेश प्रक्रिया में हिस्सा लेने के लिए आवेदन कर सकेंगे। विश्वविद्यालय ने उन विद्यार्थियों को बिना आवेदन शुल्क जमा किए आवेदन का अवसर दिया है, जिन्होंने बीते वर्ष 10 अगस्त को आयोजित पीएचडी प्रवेश परीक्षा दी थी और लिख परीक्षा को बाद में निरस्त कर दिया गया था।

पीएचडी प्रवेश के लिए आवेदन की शुरुआत करती कुलपति प्रो. पूनम टंडन।

आवेदन प्रक्रिया की शुरुआत करते के बाद कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि पीएचडी की इस प्रवेश प्रक्रिया के जरिये 33 विषयों में 874 सीटों के लिए जून में परीक्षा आयोजित की जाएगी। इनमें 399 सीटें संबद्ध महाविद्यालयों के शोध पर्यवेक्षक के लिए निर्धारित की गई हैं। कुलपति ने उम्मीद जताई कि शोध पाठ्यक्रम परीक्षा के जरिये विश्वविद्यालय को योग्य शोधार्थी मिलेंगे। प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. हर्ष सिन्हा ने बताया कि आनलाइन आवेदन पंजीकरण की अंतिम तिथि 22 मई है। आवेदन फार्म एवं विवरण विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल www.ddugauadmission.in पर उपलब्ध हैं। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. सतीश रस्तोगी, प्रो. कौशिक चटर्जी, प्रो. संतोष पांडेय, प्रो. श्रीकांत पाठक, प्रो. अशमद नसीम, प्रो. संदीप कुमार, प्रो. विजय कुमार, प्रो. उदय सिंह आदि मौजूद रहे।

'सृष्टि के उद्भव के साथ ही हुआ योग का उद्भव'

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के महायोगी गोरक्षनाथ शोधपीठ में गुरुवार से सात दिवसीय श्रीमद्भगवतीय योग कार्यशाला की शुरुआत हुई। योग एवं आजीविका' विषय पर आयोजित कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के पूर्व आचार्य प्रो. रामदरश मिश्र ने कहा कि योग का उद्भव सृष्टि के उद्भव के समय ही हुआ है। योग पर जितना चिंतन किया गया है उतना किसी अन्य विषय पर नहीं हुआ।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में योग विद्या के महत्व पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि योग ज्ञान की सबसे बड़ी एवं श्रेष्ठतम विद्या है। उन्होंने योग के तीन मार्गों क्रियायोग, त्रिपतिकाय तथा भक्तिमार्ग पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम की प्रस्तावित्री शोधपीठ के सचिव डॉ. प्रभाकर मिश्र ने योग प्रशिक्षक के रूप में योग पाठ्यक्रम के विषय पर चुना अपित करते प्रो. रामदरश मिश्र।

योग कार्यशाला के उद्घाटन कार्यक्रम में गुरु श्रीगोरक्षनाथ के चित्र पर पुष्प अर्पित करते प्रो. रामदरश मिश्र एवं अन्य सदस्य।

के साथ द्वितीय जनपद सतीश सोसायन प्रतिभागियों का आयोजन भी किया जा रहा है। इस दौरान डा. विनय कुमार मिश्र, डा. आमोद कुमार राय, डा. सुनील कुमार, हरिवंशेन सिंह, डा. कुंवर रणजय सिंह, गिरिश सिंह आदि मौजूद रहे। संचालन डा. सोनल सिंह और आभार ज्ञापन डा. मनोज कुमार द्विवेदी ने किया।

Amar Ujala Page - 05, 07

पीएचडी में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू

33 विषयों में 874 सीटों के लिए जून में आयोजित की जाएगी परीक्षा

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में सत्र 2023-24 की शोध पाठ्यक्रम परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया कुलपतिजी से शुरू हो गई। इसमें वे अभ्यर्थी आवेदन कर सकेंगे, जिन्होंने 2023 तक पाठ्यक्रम उपाधि प्राप्त कर ली हो।

आवेदन प्रक्रिया में अभ्यर्थी भी शामिल होंगे जिन्होंने पिछले साल 10 अगस्त को निरस्त हुई रेट परीक्षा दी थी। कुलपति प्रो. टंडन ने कहा कि ऐसे अभ्यर्थियों को नए सिरे से आवेदन ही करना होगा लेकिन उनसे आवेदन शुल्क नहीं लिया जाएगा। रेट 2023 की आवेदन प्रक्रिया के द्वारा 33 विषयों में रिक्त 874 सीटों के लिए जून में परीक्षा आयोजित की जाएगी। इनमें 399 सीटें संबद्ध महाविद्यालयों के शोध पर्यवेक्षण हेतु निर्धारित की गई हैं। प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. हर्ष सिन्हा ने बताया कि आनलाइन आवेदन पंजीकरण की अंतिम तिथि 22 मई है। आवेदन फार्म एवं विवरण विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल www.ddugauadmission.in पर उपलब्ध हैं।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन। फोटो-सीपी

कल से एमपी परिसर में होंगी परीक्षाएं

गोरखपुर। लोकसभा चुनाव को लेकर जिला प्रशासन सहित गोरखपुर विश्वविद्यालय के कई भवनों को अपने कब्जे में लेकर उनको रोकड़ हुए अधिकार और वाणिज्य परीक्षाएं 11 मई से महाराणा प्रताप परिसर में आयोजित की जाएंगी। सोमवार को परीक्षा इंजीनियरिंग विभाग में ही होंगी। परीक्षा नियंत्रक डॉ. कृष्णदेव सिंह ने बताया कि सभी छात्रों के अनुसार संचालन होगी। संचार

वीर योद्धाओं में से एक थे महाराणा प्रताप : कुलपति

गोरखपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद महानगर की ओर से महाराणा प्रताप की जयंती पर गोरखपुर विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर पुष्पार्जित कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप को आज भी स्वाभिमान, संकल्प और देशभक्ति का मजबूत स्तंभ माना जाता है। अभाविप राष्ट्रीय कार्यकारिणी की विशेष आमंत्रित सदस्य प्रो. उमा श्रीवास्तव ने कहा कि महाराणा प्रताप आज भी वीरता और स्वाभिमान के प्रतीक माने जाते हैं। इस अवसर पर दुर्गेश सिंह चंचल, प्रो. राजवंत राव आदि मौजूद रहे। संचाद

पीएचडी में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में सत्र 2023-24 की शोध पाठ्यक्रम परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया कुलसचिवजी से शुरू हो गई। इसमें वे अभ्यर्थी आवेदन कर सकेंगे, जिन्होंने 2023 तक पाठ्यक्रम उपाधि प्राप्त कर ली हो।

आवेदन प्रक्रिया में वे अभ्यर्थी भी शामिल होंगे जिन्होंने पिछले साल 10 अगस्त को निरस्त हुई रेट परीक्षा दी थी। कुलपति प्रो. टंडन ने कहा कि ऐसे अभ्यर्थियों को नए सिरे से आवेदन ही करना होगा लेकिन उनसे आवेदन शुल्क नहीं लिया जाएगा (रेट 2023 की आवेदन प्रक्रिया में 33 विषयों में 874 सीटों के लिए जून में परीक्षा आयोजित की जाएगी। इनमें 399 सीटें संबद्ध महाविद्यालयों के शोध पर्यवेक्षण के लिए निर्धारित की गई हैं। प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. हर्ष सिन्हा ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन पंजीकरण की अंतिम तिथि 22 मई है। आवेदन फार्म एवं विवरण विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल ddugauadmission.in पर उपलब्ध हैं।

विभाग चलाएंगे वैल्यू एडेड कोर्स

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय के सभी विभागों में अब पाठ्यक्रम के अलावा वैल्यू एडेड कोर्स चलाए जाएंगे। नियमित पाठ्यक्रमों के अलावा विद्यार्थियों के कौशल विकास के लिए इन पाठ्यक्रमों को शुरू किया जा रहा है। इसे शुरू करने वाला पहला विभाग अंग्रेजी है। इसमें 15 मई से वैल्यू एडेड कोर्स शुरू होगा।

विश्वविद्यालय प्रशासन के मुताबिक, ये कोर्स छात्रों के लिए अनिवार्य नहीं होंगे। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि कम्युनिकेशन स्किल्स एंड पर्सनैलिटी डेवलपमेंट विषय पर यह कोर्स संचालित होगा। प्रो. अवनीश राय एवं डॉ. शायका तोसीफ सह समन्वयक बनाए गए हैं।

30 जून के पहले सभी विभागों को शुरू करना होगा संचालन

Inext Page - 02

यूनिवर्सिटी में स्टार्ट हो गया 'रेट' का रजिस्ट्रेशन

शोध पात्रता परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हुई

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (9 May): गोरखपुर यूनिवर्सिटी में सत्र 2023 की शोध पात्रता परीक्षा (रेट) के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो हुई है. इस बार ऐसे सभी अभ्यर्थियों अपनाई कर सकेंगे जिन्होंने वर्ष 2023 तक पीजी डिग्री हासिल कर ली है. चौसी प्रो. पूनम टंडन ने रेट 2023 की ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया का औपचारिक आरंभ करते हुए आम व्यक्त की कि इस परीक्षा से कई प्रतिभावान शोधार्थी मिलेंगे.

10 अगस्त को निरस्त हुई वर्ष 2023 की रेट परीक्षा दी थी. प्रो. टंडन ने कहा कि ऐसे एलीजिबिट को नए सिरे से आवेदी की छाएगा होगा लेकिन उनको रजिस्ट्रेशन फीस नहीं लिया जाएगा

2023 की ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया का औपचारिक आरंभ करते हुए आम व्यक्त की कि इस परीक्षा से कई प्रतिभावान शोधार्थी मिलेंगे.

जून में होगी परीक्षा

इस आवेदन प्रक्रिया में वे एलीजिबिट भी शामिल होंगे जिन्होंने पिछले वर्ष 10 अगस्त को निरस्त हुई वर्ष 2023 की रेट परीक्षा दी थी. प्रो. टंडन ने कहा कि ऐसे एलीजिबिट को नए सिरे से आवेदी करना होगा लेकिन उनसे रजिस्ट्रेशन फीस नहीं लिया जाएगा.

इसे भी जानें

इस आवेदन प्रक्रिया में वे एलीजिबिट भी शामिल होंगे जिन्होंने पिछले वर्ष 10 अगस्त को निरस्त हुई वर्ष 2023 की रेट परीक्षा दी थी. प्रो. टंडन ने कहा कि ऐसे एलीजिबिट को नए सिरे से आवेदी करना होगा लेकिन उनसे रजिस्ट्रेशन फीस नहीं लिया जाएगा.

Rashtriya Sahara Page - 04

874 सीटों पर आवेदन प्रक्रिया शुरू

गोरखपुर(एसएनबी)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विवि में सत्र 2023 की शोध पात्रता परीक्षा(रेट)के लिए शुक्रवार से ऑनलाइन प्रक्रिया कुलसचिवजी द्वारा शुरू की गई। जिसमें 399 सीटें संबद्ध महाविद्यालयों के शोध पर्यवेक्षण के लिए

शोध पात्रता परीक्षा

- 399 सीटें संबद्ध महाविद्यालयों के शोध पर्यवेक्षण को निर्धारित
- 2023 में परास्नातक की उपाधि ले चुके अभ्यर्थी भी कर सकेंगे आवेदन अंतिम तिथि 22 मई निर्धारित

निर्धारित है। इस बार ऐसे सभी अभ्यर्थी आवेदन कर सकेंगे जिन्होंने वर्ष 2023 तक पाठ्यक्रमांक उपाधि प्राप्त कर ली हो।

कुलपति रेट 2023 की ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया का औपचारिक आरंभ किया। इस आवेदन प्रक्रिया में वे अभ्यर्थी भी शामिल होंगे जिन्होंने सत्र वर्ष 10 अगस्त को निरस्त हुई वर्ष 2023 की रेट परीक्षा दी थी। कुलपति प्रो. टंडन ने कहा कि ऐसे अभ्यर्थियों को नए सिरे से आवेदन ही करना होगा लेकिन उनसे आवेदन शुल्क नहीं लिया जाएगा। रेट 2023 की आवेदन प्रक्रिया के द्वारा 33 विषयों में रिक्त 874 सीटों के लिए जून में परीक्षा आयोजित की जाएगी। इनमें 399 सीटें संबद्ध महाविद्यालयों के शोध पर्यवेक्षण हेतु निर्धारित की गई हैं। प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. हर्ष सिन्हा ने बताया कि आनलाइन आवेदन पंजीकरण की अंतिम तिथि 22 मई है। आवेदन फॉर्म एवं विवरण विवि के प्रवेश पोर्टल ddugauadmission.in पर उपलब्ध हैं।

परीक्षा से श्रेष्ठ छात्राओं के चयन में आसानी होगी: कुलपति

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा है कि किसी

सम सेमेस्टर की परीक्षाएं कल से

गोरखपुर(एसएनबी)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय परिसर में सम्मान हो रही परीक्षाओं का स्थान परिवर्तन कर दिया गया है। अब तक जो गोरिवन परीक्षाएं कला संकाय एवं दीक्षा भवन में सम्मान कराई जा रही थी, वे परीक्षाएं अब 11 मई 2024 से महाराणा प्रताप परिसर (क्रिकाय) के समान भवनों में संपन्न होंगी। जबकि बीटेक की समस्त परीक्षाएं बीटेक विभाग में अपने पूर्व निर्धारित समय सारणी के अनुसार ही सम्मान कराई जायेंगी। अतः समस्त छात्र/छात्राएं अपने बदले परीक्षा स्थल के अनुसार परीक्षाओं में सम्मिलित हों। यह जानकारी परीक्षा नियंत्रक गोविवि, ने दी।

Amar Ujala Select Page - 04

पीएचडी में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में सत्र 2023-24 की शोध पात्रता परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया कुलसचिवजी से शुरू हो गई। इसमें वे अभ्यर्थी आवेदन कर सकेंगे, जिन्होंने 2023 तक पाठ्यक्रम उपाधि प्राप्त कर ली हो।

आवेदन प्रक्रिया में वे अभ्यर्थी भी शामिल होंगे जिन्होंने पिछले साल 10 अगस्त को निरस्त हुई रेट परीक्षा दी थी। कुलपति प्रो. टंडन ने कहा कि ऐसे अभ्यर्थियों को नए सिरे से आवेदन ही करना होगा लेकिन उनसे आवेदन शुल्क नहीं लिया जाएगा (रेट 2023 की आवेदन प्रक्रिया में 33 विषयों में 874 सीटों के लिए जून में परीक्षा आयोजित की जाएगी। इनमें 399 सीटें संबद्ध महाविद्यालयों के शोध पर्यवेक्षण के लिए निर्धारित की गई हैं। प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. हर्ष सिन्हा ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन पंजीकरण की अंतिम तिथि 22 मई है। आवेदन फॉर्म एवं विवरण विवि के प्रवेश पोर्टल www.ddugauadmission.in पर उपलब्ध हैं।

Hindustan Page 05 , 07

30 जून के पहले सभी विभागों में शुरू करना होगा सेमेस्टर, 15 मई को ओपेन होगा रेटिंग का जरूरत हुआ नंबर

सभी विभागों में शुरू होंगे वैल्यू एडेड कोर्स

रविकिशन व वीसी प्रो. पूनम टंडन ने दीप प्रज्वलित कर फिल्म का ट्रेलर लॉन्च किया

रेट के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू

स्वाभिमान व संकल्प के मजबूत स्तंभ थे महाराणा प्रताप

गोरखपुर, निज संवाददाता। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा महाराणा प्रताप की जयंती पर डीडीयू के मुख्य द्वार पर पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि डीडीयू की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि भारतीय इतिहास में वीरता और स्वाभिमान के अमर गाथाएं गढ़ने वाले अनेक वीर हुए हैं। उनमें से महाराणा प्रताप थे। आज भी उन्हें स्वाभिमान, संकल्प और देशभक्ति का मजबूत स्तम्भ माना जाता है।

अभाविप राष्ट्रीय कार्यकारिणी की विशेष आमंत्रित सदस्य प्रो. उमा श्रीवास्तव ने कहा कि महाराणा प्रताप वीरता और स्वाभिमान के प्रतीक माने जाते हैं। इस अवसर पर प्रो. राजवंत राव, प्रो. रिमेश सिंह, प्रो. विनय सिंह, प्रो. मनोज तिवारी, डॉ. मेघ प्रकाश राय, डॉ. मनोज सिंह, डॉ. दुर्गेश चन्द, डॉ. शत्रुघ्न सिंह, दीपेंद्र मोहन सिंह, डॉ. अंकित सिंह, डॉ. अनुपम सिंह, डॉ. रामकुमार सिंह, डॉ. रविंद्र रानी, डॉ. गरिमा आदि मौजूद रहे।

महाराणा प्रताप के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित करतीं कुलपति प्रो. पूनम टंडन।

मुगलों को दिया था मुहंतोड़ जवाब : अभिषेक

गोरखपुर। सरस्वती शिशु मंदिर पचकी धाम में महाराणा प्रताप की जयंती मनाई गई। जिसमें विद्यालय के कॉमर्स प्रवक्ता आचार्य अभिषेक अग्रवालजी ने कहा कि महाराणा प्रताप ने एक छोटी सी सेना लेकर के विशाल मुगल सेना का सामना देखने वाले मुगलों की जड़ हिला दी थी। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर राजेश सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप का नाम भारत के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा हुआ है।

छात्रों ने मनाई महाराणा प्रताप की जयंती : छात्रों ने महाराणा प्रताप की जयंती पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित किया। छात्र नेता योगेश प्रताप सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप त्याग तपस्या और अदम्य शौर्य के प्रतीक थे। कार्यक्रम को आलोक कुमार सिंह, पवन कुमार, अंशुमान पाठक, कार्तिक सिंह कौशिक, शुभम गोविंद राय, विश्वनाथ भट्ट आदि ने भी संबोधित किया।

महाराणा प्रताप की जयंती पर मेधावी सम्मानित

गोरखपुर। एमपी इंटर कॉलेज में गुरुवार को हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को मुख्य अतिथि संस्कृत शिक्षा निदेशक सत्यम महल (जेडी) सतीश सिंह और विशिष्ट अतिथि के रूप में इलाहिया जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) डॉ अमरकांत सिंह ने प्रमाण पत्र और मोमेंटो भेंट मेहता प्रदान कर सम्मानित किया। इस दौरान डॉ संबोधित करते हुए जेडी सतीश सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप का शौर्य, पराक्रम, बलिदान ,त्याग और अपने राष्ट्र के प्रति प्रेम नि:संदेह हम सभी भारतीयों के लिए अनुकरणीय है। जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. अमरकांत सिंह ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपना एक निश्चित लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए और उस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निरंतर संघर्ष करते रहना चाहिए।

Swatantra Chetna Page 02

अभाविप ने मनायी महाराणा प्रताप जयंती

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद गोरखपुर महानगर द्वारा डीडीयू मुख्य द्वारों महाराणा प्रताप की जयंती के अवसर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप को आज भी स्वाभिमान, संकल्प और देशभक्ति का मजबूत स्तंभ माना जाता है। अभाविप राष्ट्रीय कार्यकारिणी की विशेष आमंत्रित सदस्य प्रो. उमा श्रीवास्तव ने कहा कि महाराणा प्रताप आज भी वीरता और स्वाभिमान के प्रतीक माने जाते हैं। इस अवसर पर दुर्गेश सिंह चंचल, प्रो. राजवंत राव आदि मौजूद रहे। संचाद

प्रश्न की मालों के लिए अनेक कार्य किए हैं।

इस अवसर पर डा. रजनीश राय, प्रो. दिनेश सिंह, प्रो. विनय सिंह, प्रो. मनोज तिवारी, डॉ.मेघ प्रकाश राय, डॉ. मनोज सिंह, डॉ. दुर्गेश चन्द, डॉ. शत्रुघ्न सिंह, डॉ. अनुपम सिंह, डॉ. रामकुमार सिंह, डॉ. रविंद्र रानी, डॉ. गरिमा सिंह, डॉ. अंकित सिंह, डॉ. रजन तरा, नाहिद सिंह, अनुराग सिंह, तेज सिंह सिसौदी, अनुपम राजपूत, अभिजित शर्मा, दीपक यादव, अंकित गुप्त,अभिषेक पांडेय, अक्षत सिंह, विशेष सिंह बोहरा वैकड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय गेट पर छात्रों ने मनाई महाराणा प्रताप की जयंती

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर छात्रों ने महाराणा प्रताप की जयंती मनायी । जयंती समारोह में सर्वप्रथम सभी छात्रों ने महाराणा प्रताप के तस्वीर पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित किया तत्पश्चात संबोधन कार्यक्रम हुआ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वरिष्ठ छात्रनेता योगेश प्रताप सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप त्याग तपस्या और अदम्य शौर्य के प्रतीक थे। उन्होंने आजीवन देश की अखंडता और संप्रभुता को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया।कार्यक्रम को वरिष्ठ छात्रनेता आलोक कुमार सिंह, पवन कुमार, अंशुमान पाठक, कार्तिक सिंह कौशिक,शुभम गोविंद राय, विश्वनाथ भट्ट ने भी संबोधित किया।कार्यक्रम के संयोजक ठाकुर सत्यम सिंह रहे और संचालन अंकित पाण्डेय ने किया।

Gorakhpur Super Fast Times

रेट 2023 की आवेदन प्रक्रिया में 33 विषयों की रिक्त 874 सीटों के लिए जून में परीक्षा

- विवि में शोध पात्रता परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू

⇨ किसी भी विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान और प्रतिष्ठा उसके शोध कार्यों एवं योगदान से बनती है। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय अपने गुणवत्तापूर्ण शोध के लिए प्रसिद्ध रहा है। पीएच डी योजना में शोध और नवाचार के लिए जो अभिलाषा कर रहा विद्यार्थी कठिन परिश्रम कर रहा है उसके लिए यह अवसर है। इस बार ऐसे सभी अभ्यर्थी आवेदन कर सकेंगे जिन्होंने वर्ष 2023 तक पाठ्यक्रमांक उपाधि प्राप्त कर ली हो।

कुलपति रेट 2023 की ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया का औपचारिक आरंभ किया। इस आवेदन प्रक्रिया में वे अभ्यर्थी भी शामिल होंगे जिन्होंने सत्र वर्ष 10 अगस्त को निरस्त हुई वर्ष 2023 की रेट परीक्षा दी थी। कुलपति प्रो. टंडन ने कहा कि ऐसे अभ्यर्थियों को नए सिरे से आवेदन ही करना होगा लेकिन उनसे आवेदन शुल्क नहीं लिया जाएगा। रेट 2023 की आवेदन प्रक्रिया के द्वारा 33 विषयों में रिक्त 874 सीटों के लिए जून में परीक्षा आयोजित की जाएगी। इनमें 399 सीटें संबद्ध महाविद्यालयों के शोध पर्यवेक्षण हेतु निर्धारित की गई हैं। प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो.हर्ष सिन्हा ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन पंजीकरण की अंतिम तिथि 22 मई है। आवेदन फॉर्म एवं विवरण विवि के प्रवेश पोर्टल www.ddugauadmission.in पर उपलब्ध हैं।

प्रो.पूनम टंडन, कुलपति, डीडीयू विश्वविद्यालय

मोली-माली महिलाओं को समूहों में लोन दिलाने का नाम

योग ज्ञान का सबसे बड़ा और सर्वोत्तम साधन है - प्रो. राम दरश राय

⇨ गोरक्षनाथ शोधपीठ में हुआ सप्तदिवसीय योग कार्यशाला का आयोजन

⇨ नियमित प्रतियोगिता के विजेता भी हुए पुरस्कृत

⇨ शोधपीठ के कार्यशाला में दिया गया योग प्रशिक्षण

विश्वविद्यालय में मनाई महाराणा प्रताप की जयंती

योगाभ्यास से मिलती है मानसिक शांति

मोदी सुरक्षित

...गोविवि के कर्मचारियों में दिखा नया जोश उत्साह

...गोविवि के कर्मचारियों में दिखा नया जोश उत्साह